सब रंग में फकीरी रंग बड़ो मस्तानी भजन लिरिक्स

सब रंग में फकीरी,
रंग बड़ो मस्तानी।

दोहा – तन की परवाह नहीं,
धन की परवाह नहीं,
झांके छाके गयो बैराग,
वे जंगल में निकल गया तो,
मिट गया सभी ही राग।

सब रंग में फकीरी,
रंग बड़ो मस्तानी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

राजपाट के पल में ठोकर मारी,
ऐसा था भरतरी भूप प्रजा बलधारी,
जब ज्ञान हुआ तो छोडी पिंगला रानी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

गोपीचंद ने मेणावत समझावे,
होजा रे जोगी कभी काल नहीं खावे,
जब समझ गया तो मिट गई खेचांतानी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

तुलसीदास ने तिरिया वचन सुणावा,
कर तुलसी राम से हेत या झुटी माया,
आखिर तो तुलसी बोली राम की बाणी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पलक बुखारा का बादशाह था भारी,
काशी का बोल से माया छोड़ ग्यो सारी,
कहे चेतन भारती नहीं किसी से ठानी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

सब रंग मे फकीरी,
रंग बड़ो मस्तानी,
जाके लाग्यो शब्द को तीर,
छोड़ी रजधानी।bd।

गायक – आत्माराम भारती जी।
प्रेषक – मदन मेवाड़ी।
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com